>

Title: Regarding water scarcity in Bharuch Parliamentary Constituency, Gujarat.

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरूच): गुजरात के मेरे संसदीय क्षेत्र भरूच में नर्मदा नदी के तट पर स्थित नांदगांव, झनौरगांव और अंगारेश्वर गांव में इंटेक वेल (बड़े कुंए) सूख जाने और पानी खारा हो जाने की वजह से जी.एन.एफ.सी. दहेज़-वागरा के औधोगिक क्षेत्र सहित पूरे भरूच जिले में उद्योगों पर विपरीत असर पड़ रहा है क्योंकि औद्योगिक कार्यों के लिए भी नर्मदा का ही पानी उपयोग में लाया जाता है । इसके अलावा भरूच के शहरी क्षेत्र में भी पीने का पानी मिलना मुश्किल हो रहा है । पानी की आपूर्ति आवश्यकता से काफी कम होने के कारण भरूच शहर सहित पूरे भरूच जिले में जनता को खारा पानी पीना पड़ रहा है ।

गरूड़ेश्वर से भरूच तक नर्मदा नदी का जलप्रवह बिलकुल बंद हो जाने के कारण तथा समुद्र का खारा पानी झगड़िया तक पहुंचने के कारण जल दूषित और खारा होता जा रहा है । नर्मदा तट पर रहने वाले मछुआरा समुदाय के अलावा सब्जी और फल उगाने वाले छोटे किसानों की आजीविका का साधन भी बंद होता जा रहा है ।

गरूडेश्वर से भरूच तक नर्मदा तट पर अनेक यात्रा धाम और प्रवासन स्थल जैसे गरूडेश्वर दत्त मंदिर, रामानंद आश्रम गोरा, पोइचा स्वामीनारायण यात्रा एवं प्रवासन धाम, कुबेर भंडारी मंदिर, चाणौद पितर तर्पण धाम, वेद व्यासपीठ, कबीर वटवृक्ष, अनसूया माता मंदिर, नारेश्वर रंग अवधूत मंदिर, पुनीत संतराम मंदिर, आशा आश्रम, भालौदघाट, झगड़िया मढ़ीघाट, सुकल तीर्थयात्रा धाम तथा झाडेश्वर गायत्री मंदिर जैसे विख्यात स्थानों पर प्रतिदिन हजारों लोग नर्मदा स्नान, पितर तर्पण तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों हेतु आते रहते हैं । इसके अलावा नर्मदा

परिक्रमा करने वाले हजारों परिक्रमावासियों को नदी में पानी नहीं होने की वजह से काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं । इसी कारण साधु-संतों में भी काफी नाराजगी है ।|

इस परिप्रेक्ष्य में सरकार से मेरा आग्रह है कि नर्मदा नदी में निरन्तर जल प्रवाह बनाए रखने के लिए शीघ्र उचित प्रबंध करवाएं जाएं ।